इस प्रसंग पर **Std. 9th-10th** के बच्चों ने स्वागत गीत प्रस्तुत कीया । आवकार गीत मानव भार्गवभाई शाह - **Std. 10th** एवं मृगेन्द्र विमलभाई संघवी **Std. 9th** ने गाया । हर्षित हितेशभाई खाटसुरीया **Std. 8th** एवं जिनांग भाग्यवंतभाई संघवी **Std. 9th** ने अपने मन के भाव **Speech** के रुप में बताये । और समग्र कार्यक्रम का संचालन **Std. 10th** के भावेश किशोरभाई खीवसरा ने अपनी अनोखी अदा मे कीया ।

सभी तपोवनी बच्चे आनेवाले समय में सभी गुरुवर्यो की कृपा प्राप्त करके ज्यादा से ज्यादा शुद्ध-बुद्ध बनने के लिए तत्पर बने । सब स्वाध्याय यज्ञ में जुडकर अपने जिवन को महकाने तैयार है ।

पू. गुरुवर्यो ने चातुर्मास में ज्यादा से ज्यादा आराधना बढाने की हितशीक्षा फरमाई ।

पू. गुरुजी का यह प्रवेश तपोवन प्रवेश या चातुर्मास प्रवेश नहीं पर सबके मनमंदीर में गुरु का और ज्ञान का प्रवेश है । इस दीन को मंगलमय बनाने हेतु शक्रस्तव अभीषेक का भी आयोजन कीया गया, और दो बच्चोने आयंबील आराधना भी की ।

✻ पावन पधरामणा ✻

प.पू. गुरुमा के आशीर्वाद और पू. गुरुजी के प्रचंड पुण्यबल एवं शुद्धि के कारण तपोवन दिन-प्रतिदिन शिक्षण और संस्करण में उत्तरोत्तर प्रगति कर रहा है । इस यज्ञ में घी पूरने हेतुरुप तपोवन की पावनभूमि पर महान साधु-साध्वी भगवंत के पर्दापण भी होते रहते है । इस नयें सत्रमें आचार्य भगवंतश्री पू.रत्नाकर सूरीश्वरजी म.सा. एवं सरल स्वभावी, मृदुभाषी प.पू. आचार्य श्री रत्नसंचय सूरीश्वरजी म.सा. आदी साधु भगवंत के आशीर्वाद तपोवनी बच्चो को प्राप्त हुऐ । बच्चो की प्रभुभक्ति, गुरुभक्ति एवं विनय-विवेक का दर्शन कर सभी गुरुभगवंत आनंदविभोर हो गए और उनके साथ आये हुए गुरुभक्तो ने सभी तपोवनी बच्चो को स्कुलबेग की प्रभावना की । धन्य है वे गुरुभक्त गण को...खूब-खूब अनुमोदना...।

✻ गुरुकुल व्यवस्था ✻

तपोवन संस्कार धाम, नवसारी के नये सत्र की शुरुआत 243 बाल-पुष्पो के साथ हुई । बच्चें जीवन-घडतर के पाठ सीखने के साथ उच्च संस्करण और उच्च शिक्षण ले रहे है । भावी उच्च जीवन बने इसके लिए तपोवन मे मील रहे संस्कार का बडा महत्व है । बच्चे संस्काररुपी शुद्धता प्राप्त करे उसके लिए सभी मोटाभाई मासीबा कार्यरत है ।

श्री भाविनभाई (गृहपति)

Std. 5th - श्री रुपलबेन, श्री जीगीशाबेन
Std. 6th - श्री चैतालीबेन, श्री चितांगबेन
Std. 7th - श्री कीर्तिबेन, श्री प्रियाबेन
Std. 8th - श्री भूपेन्द्रभाई, श्री तेजसभाई
Std. 9th - श्री पंकजभाई
Std. 10th - श्री हितेशभाई, श्री जीतेन्द्रभाई
चिकित्सालय - श्री ताराबेन
गुरुकुल कार्यालय - श्री अंकीतभाई

✻ चोमासी चौदश की आराधना ✻

तपावेन संस्कारधाम, नवसारीमें चातुर्मास के लिए पू. अनंतसुंदर वि.म.सा, पू. योगरुची वि.म.सा. एवं पू. राजर्षी वि.म.सा. आदि बिराजमान है । उनकी निश्रामें चोमासी चौदश के दिन बच्चोने अनुमोदनीय आराधना की । 199 बच्चो ने पौषध कीया, 7 बच्चोने चोविहार उपवास, 18 बच्चोने तिविहार उपवास, 12 बच्चोने आयंबिल एवं कई सारे बच्चोने एकासणा-बियासणा की आराधना की । सुबह और दोपहर तीनो गुरुजी द्वारा बच्चोने वाचना ग्रहण की । बच्चोमें श्रावक के कर्तव्य के संस्कार का सिंचन हो इस हेतु पू. गुरुजी को चीजे बहेराने का भी आयोजन कीया गया था । सभी मोटाभाई-मासीबाने बच्चो को सुंदर मार्गदर्शन प्रदान कीया । भोजनशाला विभाग में भरतभाई, राहिभाई एवं पूजाबहन ने तपस्वी के लीए अनुकूल व्यवस्था की । अनुमोदना... कई बच्चोने 50 से ज्यादा नवकार लेखन करके अनुमोदनीय कार्य कीया । सभी तपोवनी बच्चो का तपप्रेम सराहनीय रहा ।

✻ Tapovan Daily Schedule ✻

5:30	Good Morning & Bath
6:15	Musical Astaprakari Pooja
7:10	Samayik / Vachana / Gatha
8:20	Navkarshi
9:05	Shashan Vandana, Prayer, Assembly
9:30	School Start
12:55	Bhojan
1:30	School Start
3:40	Alpahar + Sports + Music
5:45	Bhojan + Muktavihar + Story
7:00	Sandhya Aarti
7:30	Homework / Tuition
9:20	Kutumb Mela
9:30	Good night & Sweet Dreams